







### सुविचार

यह बात गलत है कि जिंदगी एक बार ही मिलती है। मौत एक बार मिलती है। जिंदगी तो रोज मिलती है। - अज्ञात

## बंगाल में अब बहेगी बदलाव की बयार

बंगाल के दिन बहुने जा रहे हैं। अब वहां बदलाव की बयार बहेगी और जिन उम्मीदों के साथ बंगाल के बाशिंदों ने वहां की सत्ता में बदलाव किया है वह पूरी होगी। पहली बार बंगाल में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनी है और जुझारू नेता शुवेंदु अधिकारी को नई सरकार की कमान सौंपी गई है। सही मायनों में शुवेंदु ही सीएम पद के अधिकारी थे जिन्होंने निर्ममता की सारी सीमाएँ लांघने वाली ममता सरकार को उखाड़ फेंकने में अग्रणी भूमिका का निर्वहन किया है। उन्हें राजनीति का प्रदीर्घ अनुभव है। जो सत्ता संचालन में उनके काम आएगा। छत्र विजन से सक्रिय राजनीति में कदम रखने वाले शुवेंदु अधिकारी के पिता कांग्रेस के सांसद और तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार में केन्द्रीय मंत्री रह चुके थे। शुवेंदु भी कांग्रेस के छत्र संगठन से जुड़े और उस समय कांग्रेस की फ़रार बांड नेत्री रही ममता बनर्जी के संपर्क में आकर उनके विश्वस्त सहयोगी बन गए। ममता बनर्जी जब कांग्रेस से अलग हो गई और तुणमूल कांग्रेस का गठन किया तो शुवेंदु भी उनके साथ चले गए। नंदी ग्राम आंदोलन जिसने ममता बनर्जी को पहचान दी उस आंदोलन को खड़ा करने में भी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका शुवेंदु ने ही निभाई थी। ममता बनर्जी ने उन्हें दो बार सांसद भी बनाया और अपने मित्रमंडल भी रखा लेकिन जब उन्होंने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को आगे बढ़ाना शुरू किया और टीएमसी अपने रास्ते से भटकने लगी धृष्टचार का नंगा नाच होने लगा तो शुवेंदु नाराज हो गए और टीएमसी से किनारा कर भाजपा में शामिल हो गए। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने ममता बनर्जी को नंदीग्राम से हराकर अपनी बढ़ती ताकत का अहसास कराया था और इस बार तो भवानीपुर से भी ममता बनर्जी को हराकर उन्होंने खुद को अपराजेय योद्धा साबित कर दिखाया। इसका उन्हें पुरस्कार मिलना ही था जो सीएम पद के रूप में उन्हें मिला। बहरहाल अब बंगाल के नये बास शुवेंदु अधिकारी के सामने चुनौतियों का लंबा सिलसिला है। सबसे बड़ी चुनौती तो उनके सामने यह है कि उन्हें बंगाल के सिस्टम को बदलना है जिस पर आज भी टीएमसी का कब्जा बरकरार है। सिर्फविधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत का यह मतलब नहीं है कि बंगाल में टीएमसी कंगाल हो गई है या उसका खेला खत्म हो गया है। बंगाल के सभी नगरीय निकायों और पंचायतों में उसका एकछत्र राज कायम है। उनके एक साल का कार्यकाल अभी बाकी है। इसलिए इस एक साल के भीतर नई सरकार को बंगाल में विकास की गंगा बहाने के भागीरथ प्रयास करने होंगे और जन अपेक्षा की कसौटी पर खरा उतर कर दिखाना पड़ेगा ताकि एक साल बाद होने वाले नगरीय निकायों और पंचायत चुनाव में तुममूल कांग्रेस को जड़ मूल से खत्म किया जा सके। बंगाल से जंगलराज और चुसपैठियों का खाल्ता भी बंगाल के नये मुखिया के लिए चुनौती पूर्ण कार्य है। वहां की जनता ने बदलाव इसीलिए किया है कि पिछले डेढ़ दशक से उनके साथ जो अन्याय और अत्याचार हुआ है उसका गिन गिन कर बदला लिया जाए। अपराधियों को उनके गुनाह की सजा दी जाए। उम्मीद की जानी चाहिए कि बंगाल के नये मुख्यमंत्री शुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में नई सरकार इन तमाम चुनौतियों से निपटने में सफ़्त होगी। सोनार बांग्ला के चिर प्रतिश्ठित स्वप्न को साकार करेगी।

अंतर्मन तक घायल हो गया था जब हुआ विरह,
न जीने की चाहत उदास तन - मन कर गया विरह।

छोड़ ही दी थी खुशी की आस, विश्वास और प्रयास;
अजनबी सा ज़िन्दगी में आया न था जब तक साथ।

हल्की सी मुस्कान अधरों पर मानों आई हो बहार,
शायद राहें बंद हो सब ,तब भी खुला होता इक ड़कार।

टूटे ख्वाबों को समेटे , ज़ख्मों को मरहम लगाने लगे,
हम बिखर कर फिर  सभले और विरह भुलाने लगे।

कोई चाहे भी तो नहीं बर्बाद कर सकता किसी को,
विरह क्या कितने घाव दे पर नहीं जीत सकता है वो।

उभरी विरह से मुस्कुरा कर देखो जीवन अमूल्य है,
जो बिछड़ जाते हैं जान कर उनके लिए रोना शूर्य है।

## आज का इतिहास

**नई दिल्ली(वार्ता)।** 1995 - संयुक्त राष्ट्र महासभा के कक्ष में 24 दिन तक चले सम्मेलन की समाप्ति पर परमाणु अप्रसार संधि को अनिश्चित काल के लिए स्थायी बना दिया गया। 1998- भारत ने राजस्थान के पोखरण में तीन परमाणु परीक्षण किया। 2000 - दिल्ली के सफ्दरजंग अस्पताल में जन्मी ‘आस्था’ भारत का एक अरबवाँ बच्चा। 2001 - संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रक्षेपास्त्र रक्षा प्रणाली को भारत का समर्थन, अमेरिकी नौसैन ने संयुक्त राष्ट्र की देय राशि रोकी। 2002 - बांग्लादेश में सऊद दुर्घटना में 378 लोग मर। 2005 - बगलहार परियोजना पर भारत-पाक मतभेदों को निपटाने हेतु विश्व बैंक ने तटस्थ विशेषज्ञ नियुक्त किया। 2007 - इस्त्रायल ने हमास से जुड़ी रिफ़र्म एवं चेंज पार्टी को गैर-कानूनी घोषित किया। 2008 - दक्षिणी वजीरिस्तान में नाटो सेना ने हमला किया। न्यूयार्क के कॉर्नेल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने विश्व का पहला जिनेटिकली मॉडिफ़ाइड मानव भ्रूण तैयार किया। 2010 -भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश एसएच कपाडिया को राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने 38वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। वे इस पद पर 29 सितंबर 2012 तक रहेंगे। भारतीय सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक खंडपीठ ने एक महत्त्वपूर्ण निर्णय में कहा कि पंचायत और स्थानीय चुनाव में राज्य सरकार को आरक्षण देने का अधिकार है।

# अभिव्यक्ति

# सोमनाथ से सिंदूर तक: पुनरुत्थानशील भारत की भावना



*75 वर्ष पहले किया गया भव्य सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और प्राण-प्रतिष्ठा भारत के सभ्यतागत गौरव की पुनर्स्थापना का निर्णायक क्षण था। इसने भारत की उस दृढ़ता और संकल्प को पुनः स्थापित किया, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘विकसित भारत 2047’ मिशन का मूल आधार है।इस पवित्र उपलब्धि की 75वीं वर्षगांठ राष्ट्र को भारतीय सभ्यता की मजबूत नींव और शक्ति पर सर्वोच्च विश्वास प्रदान करती है, जो 1,000 वर्षों तक कट्टरपंथियों द्वारा मंदिर पर किए गए भीषण हमलों को झेलने के बाद भी और अधिक सशक्त होकर उभरी। गुजरात के शांत समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर हर आक्रमण के बाद खंडहरों से अपनी पूरी भव्यता के साथ फिर उठ खड़ा हुआ। कई मायनों में इसका इतिहास भारत के अतीत का प्रतिबिंब है, जहाँ हमारे शांतिप्रिय लोगों ने अपनी आस्था, संस्कृति और विरासत पर हुए वरुण हमलों के बाद फिर से मजबूती से वापसी की।*

**श्री पीयूष गौयल, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री**

जैसा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, जिस प्रकार सोमनाथ को नष्ट करने के लिए बार-बार षड्यंत्र और प्रयास हुए, उसी प्रकार विदेशी आक्रमणकारियों ने सदियों तक भारत को समाप्त करने की कोशिश की। फिर भी न तो यह पूजनীয় तीर्थ नष्ट हुआ और न ही भारत।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सोमनाथ पर हमलों का उद्देश्य लूटपाट से ज्यादा खतरनाक था। उन्होंने कहा, ंयदि हमले केवल लूट के लिए होते, तो एक हजार वर्ष पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही रुक गए होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ की पवित्र मूर्ति को अपवित्र किया गया, मंदिर के स्वरूप को बार-बार बदला गया। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को केवल लूट के लिए नष्ट किया गया था। घृणा, उत्पीड़न और आतंक का यह वरुण इतिहास हमसे छिपाया गया।ः

नेहरू का विरोध- स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण के मिशन का नेतृत्व किया। यह नवस्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय आत्मविश्वास की प्रारंभिक अभिव्यक्तियों में से एक था। लेकिन इस प्रयास की राह में भी मुश्किलें आईं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसके ऐतिहासिक लोकार्पण समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने का औपचारिक तौर पर विरोध किया। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने 11 मई 1951 को मंदिर का लोकार्पण किया।

सदियों के वरुण उत्पीड़न के बाद इस पुनर्निर्माण ने भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सभ्यता पर गर्व के बीज बोए। काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के पुनरुद्धार से लेकर अयोध्या में भव्य राम मंदिर तक; केदारनाथ के पुनर्जीवन से लेकर अरसंख्य धरोहर स्थलों के संरक्षण तक - भारत अपनी सभ्यता की कहानी को गरिमा और उद्देश्य के साथ

पुनः स्थापित कर रहा है। इन प्रयासों से पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं व्यापार के अनेक अवसरों का सृजन हो रहा है।

वैश्विक पहचान- सोमनाथ की ही भांति भारत भी



और अधिक सशक्त होकर उभरा है। यह विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ अपनी समृद्ध विरासत और आधुनिकता के अद्वितीय संगम के लिए वैश्विक पहचान बना रहा है। 2014 में जब देश भारी बहुमत से मोदी सरकार को सत्ता में लाया, तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने रिपोर्ट 175 देशों के समर्थन से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया। योग आज एक वैश्विक वेलनेस मुहिम बन चुका है, जिसने दुनिया की सभी संस्कृतियों के लोगों को लाभ पहुंचाया है।

एक दशक बाद, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पश्चिम एशिया में संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा उपहार में दी गई भूमि पर बने एक भव्य मंदिर का लोकार्पण किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने बहरीन में 200 वर्ष

पुराने मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ किया था। वह नियमित रूप से प्रवासी भारतीयों से संवाद करते हैं, जिससे वे भारतीय सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली दूत बन जाते हैं।

आयुष और योग का वैश्वीकरण-भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से जुड़े पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का सृजन करना, हाल के वर्षों में भारत द्वारा विकसित देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हमारे कारीगरो, श्रमिकों, किसानों, मछुआरों, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए लाभकारी वैश्विक अवसरों का सृजन करने के साथ-साथ ये समझौते प्रधानमंत्री के ंविकास भी, विरासत भी- के विजन को आगे बढ़ाते हैं।

हाल ही में न्यूजीलैंड के साथ संपन्न एफटीए पारंपरिक चिकित्सा और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं में भारत की वैश्विक पहुँच में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें आयुष चिकित्सकों और योग प्रशिक्षकों के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक एवं ज्ञान-आधारित पेशेवरों को न्यूजीलैंड में कार्य करने के लिए वीजा कोटा प्रदान किया गया है।

यह एफटीए आयुर्वेद, योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है तथा आयुष को समकालीन और वैश्विक रूप से प्रासंगिक स्वास्थ्य

# सोमनाथ: आस्था, संकल्प और पुनर्जागरण की अनंत धारा



**॥ ? नमः शिवाय ॥**

**न हन्यते हन्यमाने शरीरे (शरीर के नष्ट**

**होने पर भी आत्मा नष्ट नहीं होती।)**

— भगवद्गीता 2.20

*श्रीमद्भगवद्गीता के इस श्लोक में निहित भाव और भारतीय सभ्यता की सनातन चेतना का सबसे जीवंत स्वरूप गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र के दक्षिणी तट पर स्थित सोमनाथ मंदिर में दिखाई देता है। बारह ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माने जाने वाले सोमनाथ ने इतिहास में अनेक आक्रमणों और विनाश को सहा, लेकिन हर बार फिर खड़ा हुआ और उसकी आरती, घंटियों और श्रद्धा की ध्वनि कभी धमी नहीं। भारतीय इतिहास के हजारों वर्षों में सनातन धर्म ने कई तरह की चुनौतियों का सामना किया। राजनीतिक परिवर्तन, आक्रमण और सत्ता परिवर्तन के दौर में मंदिरों, मठों और ज्ञान केन्द्रों का निरन्तर पहुंचाया गया, उनकी संरचनाएं बदली गईं और उन्हें संरक्षण देने वाली व्यवस्थाएं भी प्रभावित हुईं।*

इसके बावजूद भारतीय आध्यात्मिक परंपरा न केवल जीवित रही, बल्कि समय के साथ स्वयं को पुनर्स्थापित भी करती रही। इसकी सबसे बड़ी शक्ति यही रही कि संस्थागत क्षति और राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद इसकी आत्मा कभी समाप्त नहीं हुई।

प्राचीन और मध्यकालीन भारत में मंदिर केवल पूजा के स्थल नहीं थे, बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन के भी केंद्र थे। राजसत्ता से उनके गहरे संबंध के कारण वे युद्ध और संघर्ष के समय सबसे पहले निशाने पर आए। महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ पर किया गया आक्रमण इतिहास की सबसे चर्चित घटनाओं में से एक है। फारसी ग्रंथों में इसे विजय के रूप में प्रस्तुत किया गया, जबकि भारतीय परंपरा में इसे पीड़ा, संघर्ष और पुनर्निर्माण की कथा के रूप में याद किया गया। लेकिन ऐतिहासिक सत्य यह है कि सोमनाथ कभी श्रद्धा से विलुप्त नहीं हुआ। चालुक्य शासकों सहित अनेक राजाओं ने इसका पुनर्निर्माण कराया और

यह निरंतर आस्था का केंद्र बना रहा। ऐसी अनेक घटनाएं भारत के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिलती हैं।

सोमनाथ का इतिहास केवल एक आक्रमण की कहानी नहीं है। प्राचीन



काल से ही प्रभास पाटन एक महान तीर्थभूमि रहा है। इसे विभिन्न ग्रंथों और परंपराओं में प्रभास-पट्टन, शिव-पट्टन और प्रभास-तीर्थ जैसे नामों से जाना गया। यहां तीन पवित्र नदियों का संगम होता है और यही वह स्थान माना जाता है जहां भगवान श्रीकृष्ण के देहत्याग के बाद उनका अंतिम संस्कार हुआ। निकट ही वैराग्य क्षेत्र और गोपी तालाब स्थित हैं, जहां से गोपी चंदन प्राप्त होता है। इस

संपूर्ण क्षेत्र की यात्रा को भारतीय तीर्थ परंपरा में अत्यंत पवित्र माना गया है। काठियावाड़ और गुजरात की प्राचीन धरोहरों पर आधारित कई ऐतिहासिक अभिलेखों और पुरातात्विक रिपोर्टों में भी इस क्षेत्र का उल्लेख मिलता है।

सोमनाथ भारत की समावेशी सांस्कृतिक परंपरा का भी प्रतीक है। यह शैव और वैष्णव परंपराओं के अद्भुत संगम का केंद्र है और हमें यह याद दिलाता है कि भारतीय संस्कृति हमेशा से

बहुलतावादी और समावेशी रही है। स्वतंत्र भारत में सोमनाथ के पुनर्जागरण का आधुनिक अध्याय 12 नवंबर 1947, दोपावली के दिन आरंभ हुआ, जब देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस पवित्र स्थल का दौरा किया। विभाजन की पीड़ा के बीच सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। यह केवल एक मंदिर के

पुनर्निर्माण का निर्णय नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय चेतना को पुनर्जीवित करने का एक ऐतिहासिक प्रयास था। इसके बाद सोमनाथ को एक सांस्कृतिक और बौद्धिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारंभ हुआ।

11 मई 1951 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में प्रातःकाल संपन्न हुई प्राण-प्रतिष्ठा ने पूरे राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति और आत्मविश्वास को नई शक्ति प्रदान की।

आज जब भारत ‘भारत2047’ की ओर बढ़ रहा है, तब सोमनाथ से जुड़े ये सभ्यतागत मूल्य और भी अद्विक प्रासंगिक हो जाते हैं। तत्कनीकी बदलाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भारत दुनिया को यह संदेश देता है कि विकास का अर्थ करुणा को त्यागना नहीं है और शक्ति का अर्थ संयम को छोड़ देना नहीं है। सोमनाथ हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व केवल सामर्थ्य से नहीं, बल्कि स्मृति, विवेक और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से निर्मित होता है।

## पाठकों की बात



छात्री है जबसे रेत पर तुमने प्रीत की चाँदी तम चूँटें अजब मन मिटास चुल रही है मौसम बदल रहा है घन याद तेरी छूकर आँचल की आड़ कोई मोरनी मचल रही है धरती गगन की आभा रखकर नवल परो पर मोहित मयूर नयनों से पीर झरझर कोई जीत गढ़ रही है बरसों से खुरक धरती यौवन पे रीझ बरबस प्रियतम को एक चितवन श्रृंगार गढ़ रही है शब्दों से खेलना प्रिय तेरा शौक मेरा शगल है जितने ये बह रहे है उतनी प्यास बढ़ रही है ।।

— प्रियंवदा अवस्थी

## पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया



नया नया जहान है। हरा भरा बितान है।। सुगंध का मिलान है।। विधान का विधान है।। हरी भरी रहे धरा। सुगंध से जहां भरा।। हरी हरी सदा रहे । यथार्थ संग ही रहे ।। अतीत तो विदेह है। भरा वियोग गेह है ।। सुता हमार नेह है। विदेह आज देह है।। - **अजय मिश्रा अभिज्ञ**



इस तरह मुँह मोड़ना अच्छ नहीं है। दरबंद कर छोड़ना अच्छ नहीं है। बात तो करते कभी तस्कीन-ए-दिल की, हर घड़ी दिल तोड़ना अच्छ नहीं है। मन तुम्हारा हो अगर तितली के जैसा, खार से दिल जोड़ना अच्छ नहीं है। तुम नदी को लहने दो उसके मुताबिक, मन के माफ़ि़क़ मोड़ना अच्छ नहीं है। - **रूबी झा 'कमल'**



तामीर कर लिया कभी मिस्रार कर लिया इक बुत बनाया हमने, और प्यार कर लिया आसां नहीं थी जिंदगी पहले ही बिन तेरे और अब तो हमने मरना भी दुश्भार कर लिया फ़ार चाहिये था जिंदगी से इसलिये हमने तुम्हारे इश्क को आज़ार कर लिया सुहलते हैं इश्क में तो इसमें लुफ्तक्या सो हमने अपने आपको दीवार कर लिया तुमको भुला कर तुम सा ही कोई ढूँढते रहे एक इश्क़ हमने तुमसे ही दो बार कर लिया। - **अनुमित्तल 'इंदु'**



कुछ लोगों में इतना अहंकार क्यों है, आखिर ऐसी क्या बात है उनमें इतना इतराते हैं, खुद को सँवारते हैं, जैसे सारी दुनिया की ख़ासियत बस उन लोगों में हो। अहंकार तो पल भर की चमक है, पर विनम्रता ईंसान को सचमुच महान बनाता है। सच तो यही है है कि ना। - **प्रीति श्रीवास्तव**

वैसे तो मैंने कई महीने पहले ही बता

दिया था कि पश्चिम बंगाल में पहली बार बीजेपी की सरकार बन रही है।फिर चुनाव के पहले चरण का मतदान समाप्त होते ही मैंने शुभेदु अधिकारी लिखा था सीएम को लेकर बहुत सारे लोगों ने कई नाम दिए लेकिन बने अंत में शुभेदु अधिकारी ही...। - **हितेश शर्मा**



जिस उँगली पकड़कर चलना सिखाया था कभी, आज वही मौं बेटे की व्यस्तताओं में बहलती। जिसने खुद भूखी रहकर निवाले खिलाए थे, वही वृद्ध आँख अब अपनापन को तरसती। समय का यह कैसा निर्भम और कड़वा दस्तूर, जिन कंधों पर दुनिया थी, वही देह अब थकती।। मौं बोझ नहीं होती किसी भी उम्र में, बस औलाद की संवेदनाएँ कहीं खो जाती हैं।। - **चिन्मय शुक्ल**



## राशि फल



**मेष:** आज का दिन सार्वजनिक क्षेत्र और कार्यों से सम्मान दिलाएगा। दिन का पहला भाग आलस्य में खराब होगा।

**प. देवव्रत शर्मा**
**वृष:** आज के दिन आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति थोड़े व्यवधान के बाद कर सकेंगे। घर में किसी बात को लेकर माता से ठगनी प्रेम से व्यवहार कर ही बात मनवाई जा सकती है।

**मिथुन:** आज के दिन आप अधिकांश कार्य हड़बड़ाते में करेंगे। खुद नजदी से किसी कार्य को करने के लिए तैयार नहीं होंगे कोई और उसे करेंगा तो उससे ईर्ष्या करेंगे।

**कर्क:** आज आप कार्य व्यवसाय को लेकर परेशान रहेंगे भाग दौड़ के पक्ष में नहीं रहेंगे फिर भी ना चाहकर भी करनी ही पड़ेगी आर्थिक समस्या आज लगभग सभी कार्यों में बाधक बनेगी।

**सिंह:** आज के दिन आप आराम से समय बिताना पसंद करेंगे लेकिन परेल्नु कारणों से मनोकामना पूर्ति सम्भव नहीं हो पाएगी। घर के अंधूरे कार्य इक्को सर पर आने के कारण मर्यादा तक कोई ना कोई काम लगा रहेगा।

**कन्या:** आज के दिन आप अपनी ही आदतों के कारण अंदर ही अंदर परेशान रहेंगे। घर के छोटे अथवा पिता के कारण क्रोध आएगा लेकिन प्रकट करने की जगह मन में ही रखेंगे।

**तुला:** आज का दिन बीते दिनों की अपेक्षा राहत भरा रहेगा। घर में कुछ समय के लिए कोई पुराने प्रसंग छिड़ने पर अशांति बनेगी मूकदर्शक बन कर रहे अन्वेषा सादा दिन व्यर्थ मानसिक उलझनों के कारण बर्बाद होगा।

**वृश्चिक:** आज भी आपका जिंदी स्वभाव घर मे कलह का कारण बनेगा विशेष कर माता को अधिक कष्ट होगा लेकिन पिता के साथ अरुंधी जमेगी। सार्वजनिक क्षेत्र पर कम व्यवहार रखें मित्र

मंडनी अथवा अन्य कारणों से शर्मित होना पड़ेगा।

पूजा पाठ में भी भाग ले सकते है।



**नगर परिषद की कैमोर की अभिनव पहल नगर प्रवेश मार्ग पर बना आकर्षक आर.आर.आर सेंटर, बैकलैन एवं सकरी गलियों का हुआ कार्याकल्प**

**नगर परिषद की कैमोर की अभिनव पहल नगर प्रवेश मार्ग पर बना आकर्षक आर.आर.आर सेंटर**

## कटनी। नवप्रदेश

नगर परिषद कैमोर द्वारा  
स्वच्छता एवं नगर  
सौंदर्यीकरण को लेकर  
निरंतर नवाचारपूर्ण कार्य  
किए जा रहे हैं। इसी क्रम  
में नगर के मुख्य प्रवेश मार्ग  
पर नव निर्मित  
आर.आर. (रेडयूस,  
रियूज, रिसायकल) सेंटर  
विकसित किया गया है, जो  
वर्तमान में नगरवासियों एवं  
राहगीरों के लिए आकर्षण  
का केंद्र बना हुआ है।

क्षेत्र के निर्माण एवं विकास की नींव विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से

## ન્યૂજ ગૈલરી

## आज हरिद्वार-ऋषिकेश के लिए सतना से रवाना होगी तीर्थदर्शन ट्रेन

**सतना।** मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के अंतर्गत चयनित यात्रियों की यात्रा को सुगम एवं व्यवस्थित बनाने हेतु कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सतना जू. सीरीश कुमार एम द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। हरिद्वार-ऋषिकेश तीर्थ यात्रा के लिए जिले से चयनित यात्रियों को रेलवे स्टेशन सतना से खाना होगा जाएगा। तीर्थ यात्रा 11 मई 2026 को वापस होगी। प्रारंभ होगा तथा 14 मई 2026 को यात्रियों की सफाई होगी। सातना द्वारा सतना जिले के लिए कुल 262 बर्थ आवंटित किए गए हैं। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रघुनानगर एवं तहसीलदार रघुनानगर को निर्देशित किया है कि वे ट्रेन के आगमन से तीनों घंटों पूर्व रेलवे स्टेशन सतना पर उपस्थित रहकर समस्याएं सुनिश्चित करें। इसमें तीर्थयात्रियों को टिकट वितरण, बैठने की व्यवस्था, पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है। कलेक्टर ने ट्रेन के प्रस्थान तक किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए अधिकारी स्वयं उपस्थित रहकर संपूर्ण व्यवस्थाओं का संचालन करेंगे।

**ग्राम इंदल टोला में जनसुनवाई शिविर आयोजित, 22 सदस्यों के केसीसी नवीनीकरण की कार्रवाई**



**मंडला।** कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशों के पालन में 9 जून को प्राण इंटेल टोला, प्राण पंचायत कुहू में जन्मसुवाई शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सरपंच प्राण पंचायत कुहू, क्षेत्रीय प्रबंधक मन्सू महासभ जबलपुर, सहायक संचालक मन्सूघोग मंडला, विभागीय स्टाफ एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे। शिविर के दौरान समिति सदस्यों ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) संबंधी जानकारी प्राप्त की गई। सदस्यों ने बताया कि उनके केसीसी कार्ड पूरे से बने हुए हैं तथा प्राण स्त्रा गरीश बैंक में जमा कर दी गई है। सदस्यों द्वारा केसीसी नवीनीकरण की आवश्यकता बताई गई, जिस पर तत्परा से कारगराई करते हुए 22 सदस्यों के केसीसी नवीनीकरण की प्रक्रिया पूर्ण की गई। इस अवसर पर समिति सदस्यों को विभागीय योजनाओं एवं मन्सू महासभ जबलपुर द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के की जानकारी भी प्रदान की गई तथा योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

## वाइल्ड लाइफ कंजरवेशन एवं स्नेक रेस्क्यू का दिया डेमो

**नवदवाडा।** 24 एमपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी अमनप्रती सिंह के मार्गदर्शन में संचालित संयुक्त सामरिक प्रशिक्षण शिविर के नौवें दिन एनसीसी कैडेट्स के लिए वाल्डू लडाफ कंजरनेशन एवं सेक्रे रेस्क्यू विषय पर विशेष डेमो आयोजित किया गया। इस दौरान कैडेट्स को सांफ के महत्व, उनसे संरक्षण एवं बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकार दी गई। शिविर के प्रातःकाल की शुरुआत योग एवं मर्डेशन्स से हुई। ब्रह्माकुमारि आश्रम से पुरो साधकों ने भारतीय ज्ञान परंपरा, योग एवं ध्यान के महत्व पर प्रभावशाली संज्ञोबन दिया। उन्होंने बताया कि फायरिंग कोशल एवं सैन्य प्रशिक्षण में ध्यान और एकगता को विशेष महत्व होता है, जिसे योग एवं प्राणायाम के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। शिविर में प्रतिदिन लगभग 600 एनसीसी कैडेट्स को योग, ध्यान एवं खेल गतिविधियों के माध्यम से शारीरिक और मानसिक रूप से संरक्षित बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके बाद कैडेट्स ने बाधा दौड़ के माध्यम से अपनी शारीरिक क्षमताओं का पर्यवेक्षण किया। शिविर के दौरान जिनके के प्रसिद्ध सर्पमित्र हेमंत गोदरे, भूतपूर्व एनसीसी कैडेट राहुल राहगले तथा उनकी प्रशिक्षित दीर्घ बारा कैडेट्स को सांफों के परिस्थितियों की तंत्र में महत्व के बारे में जानकारी दी गई। सर्पमित्रों ने बताया कि सांफ खाद्य श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और वे चूहों की संख्या नियंत्रित कर किसानों तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उपयोगी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कैडेट्स से अपील की कि सांफ परिलक्षित देने पर उन्हें नुकसान न पहुंचाएं और न ही मारें, बल्कि सर्पमित्रों को सूचित करें ताकि उनका सुरक्षित रेस्क्यू कर प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा सके। इस दौरान यह भी बताया गया कि सभी सांफ जहरीले नहीं होते, वे सामान्यतः शांत एवं शर्मीले स्वभाव के होते हैं और केवल खतरा महसूस होने पर ही आक्रामक होते हैं। कार्यकर्ता ने कैडेट्स को भारम में पाई जाने वाली विषम सर्प प्रजातियों, विषैले एवं विना विष वाले सांफों, उनके व्यवहार एवं उनसे संबंधित धातियों के बारे में जानकारी दी गई। सर्पमित्रों ने बताया कि सांफ दूध नहीं पीते तथा वे सुन नहीं सकते। इन विषयों को सरल एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया।



नगर में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं जनहित से जुड़े विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। उनके सतत सहयोग से नगर परिषद द्वारा नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने हेतु अभिनव पहलें की जा रही हैं।

नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पलक नमिता घोषराय ने कहा कि परिषद द्वारा नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने हेतु लगातार विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराय जा रहे हैं। नगर के प्रवेश मार्ग पर निर्मित आर.आर.आर. सेक्टर नगर को नई पहचान के रूप में विकसित हो रहा है। वहीं नगर परिषद उपाध्यक्ष संतोष केवट ने बताया कि परिषद द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में चरणबद्ध रूप से स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्य कराय जा रहे हैं, जिससे नगर का समग्र वातावरण बेहतर एवं आकर्षक बन रहा है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी मनीष परते के निर्देशन में तैयार किए गए इस आर.आर.आर.

सेंटर का उद्देश्य अनुपयोगी वस्तुओं के पुनः उपयोग को बढ़ावा देना एवं नागरिकों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। परिषद द्वारा सेंटर को आकर्षक रंग-रोगन, स्वच्छ परिसर एवं रचनात्मक सज्जा के माध्यम से सुंदर स्वरूप प्रदान किया गया है, जिससे नगर की सकारात्मक छवि उभारकर सामने आ रही है।

इसके साथ ही परिषद द्वारा नगर की बैकलैन एवं सक्की गलियों का भी व्यापक रूपांतरण किया गया है। पूर्व में उपेक्षित एवं अव्यवस्थित रहने वाले इन क्षेत्रों में अब नियमित साफ-सफाई, रंगीन पेंटिंग, दीवार सज्जा एवं प्रकाश व्यवस्था के माध्यम से नया स्वरूप दिखाई दे रहा है। इन कार्यों से न केवल स्वच्छता व्यवस्था में सुधार हुआ है, बल्कि नगर की सुंदरता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नगर परिषद कैमोर के इन प्रयासों की स्थानीय नागरिकों द्वारा सराहना की जा रही है तथा लोगों में स्वच्छता के प्रति साकारत्मक वातावरण निर्मित हो रहा है।

विकसित भारत के संकल्प में महिलाओं की होगी अहम भूमिका-केंद्रीय राज्यमंत्री

**सतना । नवप्रदेश**



उन्होंने रविवार को टाउन हॉल में आयोजित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहकारिकाओं के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में सांसद गणेश सिंह ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर महापौर योगेश शास्त्रकार, पूर्व महापौर मनता पाण्डेय, प्रांतीय अध्यक्ष रामेश्वरी नेताम तथा प्रदेश महा सचिव अंजु सिंह बबलू सहित बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहकारिकाएं उपस्थित रहीं। मरस-डे के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती ठाकुर ने कहा कि प्रधामंत्री मातुवर्द योजना, मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना और मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं ने महिलाओं को सशक्त बनाये हैं। महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यरत महिलाएं शासन की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि

## दित्यांगजनों के लिए

11 मई को निःशुल्क  
कृत्रिम अंग वितरण  
एवं परीक्षण शिविर  
का आयोजन

मंडला। सामाजिक न्याय विभाग की  
एडिज्यो योनाजी के अंतर्गत अतिरिक्त  
होमियोपैथी की सहायता के लिए ऑन द  
स्पॉट विन्हाऊन एवं वितरण शिविर का  
आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर  
11 नवंबर को सुबह 10 बजे से सायाजी की  
महिला बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र  
(ए.एस.एम. योगीन सेंटर) स्टडीस ग्राउंड  
के पास, माण्डला में आयोजित होगा।  
शिविर में एस.आर. स्टेट रोलाम के  
तकनीकी सहाय्य के दिव्यांगजनों का  
मोकड़ पर ही परीक्षण किया जाएगा।  
परीक्षण के तुरंत बाद पात्र विद्यार्थियों  
को उनकी आवश्यकतानुसार कौलीपर्स  
या कुत्रिम आं (हाथ-पैर) बनाकर  
प्रदान किए जाएंगे।

दबाव के कारण पानी नहीं पहुंच पा रहा है और यहां रहने वाले परिवार स्वयं झिरी बनाकर अपनी दीवार जलरूतें पूरी कर रहे हैं। क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और दूरस्थता के बावजूद पीएचई विभाग द्वारा प्राथमिकता के आधार पर लगभग एक माह पूर्व यहां द्यूबवेल खनन कराया गया था। उस समय क्षेत्र में जलस्तर कम होने के कारण यह असफल हो गया था। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो के माध्यम से शिकायत प्राप्त होने के बाद विभागीय अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे जिन्होंने बताया कि पुनः समस्या का समाधान 24 घंटे के भीतर कर दिया जाएगा।

## माल एसपी तलब

## वारंट तामील न कराने पर भोपाल एसपी तलब

अवमानना मामले में आदिवासी कल्याण आयुक्त को भी पेश होने के निर्देश

जबलपुर | नवप्रदेश

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने अवमानना के एक मामले में पूर्व में जारी किए गए एमनटी वारंट को तामील नहीं कराने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए भोपाल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को तलब किया है। एकलपीठ ने कहा कि सरकारी छुट्टियों का हवाला देकर वारंट तामील नहीं कराना स्वीकार्य नहीं है। इसके साथ ही न्यायालय ने मामले में आदिवासी कल्याण विभाग के आयुक्त संजीव सिंह को भी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश देकर याचिका पर अगली सुनवाई 12 मई को नियत कर दी।

रीवा जिले के जड़मनिया गांव निवासी शकुन्तला शर्मा की ओर से दायर अवमानना याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता के पति रमाकांत शर्मा आदिवासी कल्याण विभाग के तहत शासकीय हाईस्कूल पिपरही में भृत्य पद



पर कार्यरत थे। उनके निधन के बाद भी परिवार को फैमिली पेंशन का लाभ नहीं दिया गया। इस मामले को लेकर मैं पूर्व में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने 12 अक्टूबर 2022 को आदेश देते हुए 90 दिनों के भीतर याचिकाकर्ता के दावे का निराकरण करने के निर्देश दिए थे। आरोपित है कि उक्त

आदेश के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिसके बावजूद अवमानना याचिका दाखिल की गई। उच्च न्यायालय ने अवमानना मामले में नोटिस जारी कर अनावेदकों से जवाब तलब किया था। इस नोटिस के तामील होने के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। जिससे

गंभीर मानते हुए उच्च न्यायालय ने 27 अप्रैल 2026 को आदिवासी कल्याण आयुक्त के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था और उक्त वारंट तामील करी को जिम्मेदारी भोपाल एसपी को सौंपी गई थी। मामले में और हूँ सुनवाई के दौरान अरेरा हिल्स थाना के थाना प्रभारी द्वारा न्यायालय में पेश रिपोर्ट में कहा गया कि 1 मई और उसके बाद सरकारी छुट्टियाँ होने के कारण आयुक्त के रिहालफ जारी जमानती वारंट तामील नहीं कराया जा सका। इस दलील को एकलपैठ ने खारिज करते हुए नाराजगी जताई एकलपैठ ने कहा कि अधिकांश न केवल न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं करते, बल्कि नोटिस मिलने के बाद भी उपस्थित नहीं होते एकलपैठ ने मामले को गंभीर मानते हुए भोपाल एसपी और आदिवासी कल्याण आयुक्त को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

नरसिंहपुर। नवप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नरसिंहपुर जिले के ग्राम मुंगवाली में 13 मई को मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यक्रम अंशार्थित होना प्रस्तावित है। उक्त कार्यक्रमों के संचार क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने अधिकारियों को कार्य/ दायित्व सौंपने के आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के मुताबिक कानून व्यवस्था के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, परिवहन व्यवस्था के लिए जिला परिवहन अधिकारी रवि बरेलिया, हेलीपैड एवं सुरक्षा बेरीकेटिंग व्यवस्था के लिए कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग अरविंद कुट्टहा, काष्ठ व्यवस्था के लिए अनुविभागीय वन अधिकारी नरसिंहपुर, विभागीय प्रदर्शनी एवं ब्रांडिंग के लिए महाप्रबंधक उद्योग पंकज पटेल, प्रतिभाओं का सम्मान

एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, डीपीसी जिला शिक्षा केन्द्र मनीष चौकसे के सहयोग संचालित, पिछड़ा एवं श्रीमती अंजना त्रिपाठी, पेयजल व्यवस्था के लिए कार्यपालन यंत्री पीएचई आरएस ठाकुर, सत्कार व्यवस्था के लिए जिला आबकारी अधिकारी ब्रजेंद्र कोरी, भोजन गुणवत्ता के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुमारिका दुबे, विद्युत व्यवस्था के लिए अधीक्षण यंत्री विद्युत एनके श्रीवास्तव व विद्युत सुरक्षा अधिकारी श्रीमती सुप्रिया गोहलानी, एम्बुलेंस एवं चिकित्सा व्यवस्था के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मिश्रा व सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार चौधरी, मंच एवं बैठक व्यवस्था के लिए अनुविभागीय राजस्व अधिकारी मणिन्द्र सिंह, कार्यपालन यंत्री अभिषेक ठाकुर, सहायक खनिज अधिकारी श्रीमती दीपा वालेवार।





